आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ

प्रकाशन कार्य-प्राकृत भाषा के विविध आयाम

नवम्बर-दिसम्बर- 2024

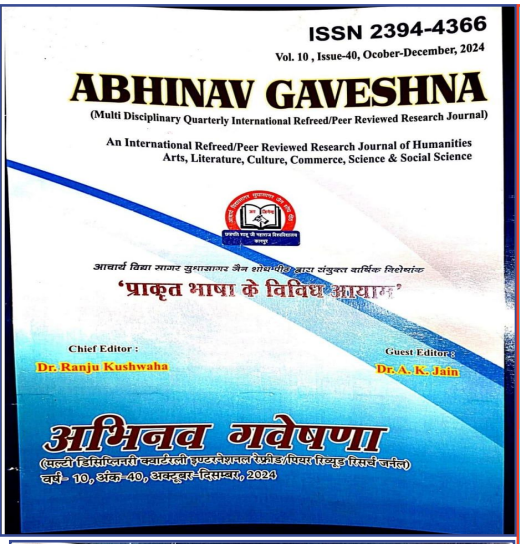
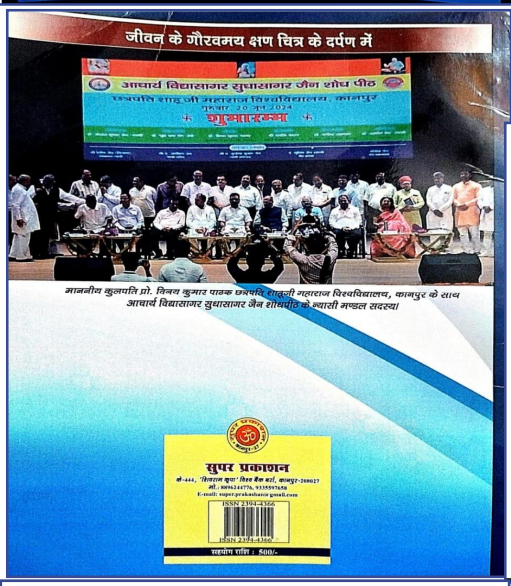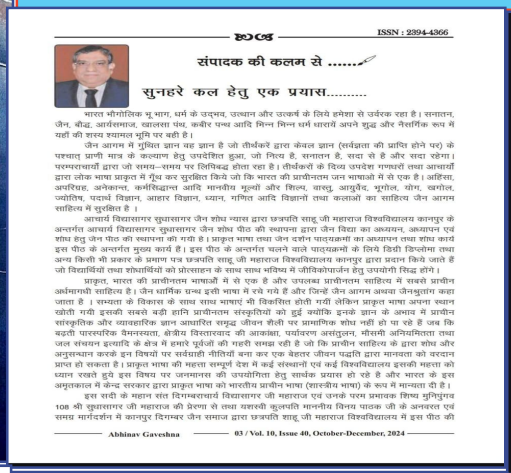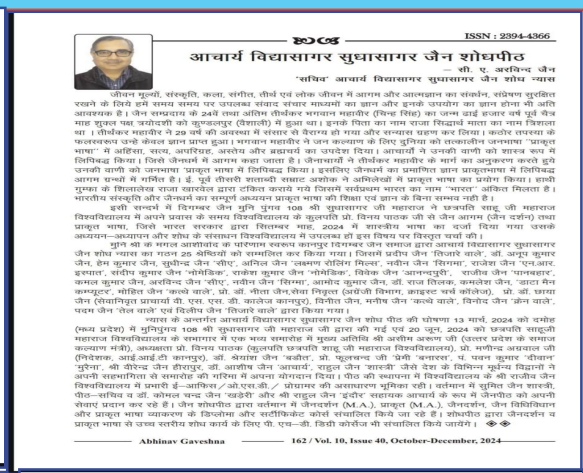
प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त होने पर जैन शोध पीठ द्वारा "प्राकृत भाषा के विविध आयाम " विषय पर "अभिनव गवेषणा" शोध पत्रिका में प्राकृत विशेषांक प्रकाशित किया गया | जिसका सम्पादन का कार्य नवम्बर-दिसंबर में प्रो. अनिल जैन, कानपुर द्वारा किया गया | शोधपत्रिका में देश के प्राकांड मर्मज्ञ विद्वानों के लगभग 40 शोधपत्र प्रकाशित हुए | यह शोधपत्र विश्वविद्यालय एवं प्राकृत विभागों के लिए पढ़नीय एवं महत्वपूर्ण है |